पाठ 23

शेर साहब की पूँछ

एक था शेर। उसकी दोस्ती थी एक लोमड़ी से। शेर शिकार करता, खुद खाता और लोमड़ी को भी खिलाता। लेकिन अब शेर बूढ़ा हो चला था। शिकार करना कठिन हो रहा था। कई दिनों से लोमड़ी और शेर भूखे थे। तभी उनको दूर से एक खरगोश आता दिखाई दिया। लोमड़ी ने कहा-शेर साहब, झट मरने का बहाना कीजिए!

शेर लेट गया। लोमड़ी ने झट उसे सूखी घास से ढकना शुरू किया। अब शेर की मात्र पूँछ बाहर दिख रही थी। फिर लोमड़ी

खरगोश ने लोमड़ी से रोने का कारण पूछा। हूँ, हूँ-देखते नहीं, मर गए शेर साहब, हूँ, हूँ, हूँ! आओ, आओ। ढकवा दो शेर साहब को, सूखी घास से ढकवा दो, हूँ, हूँ, हूँ!

खरगोश रुका। उसने थोड़ा सोचा, फिर कहा-अरे मौसी, मरने के बाद तो शेर की पूँछ हिलती है। शेर साहब की पूँछ तो हिल ही नहीं रही!

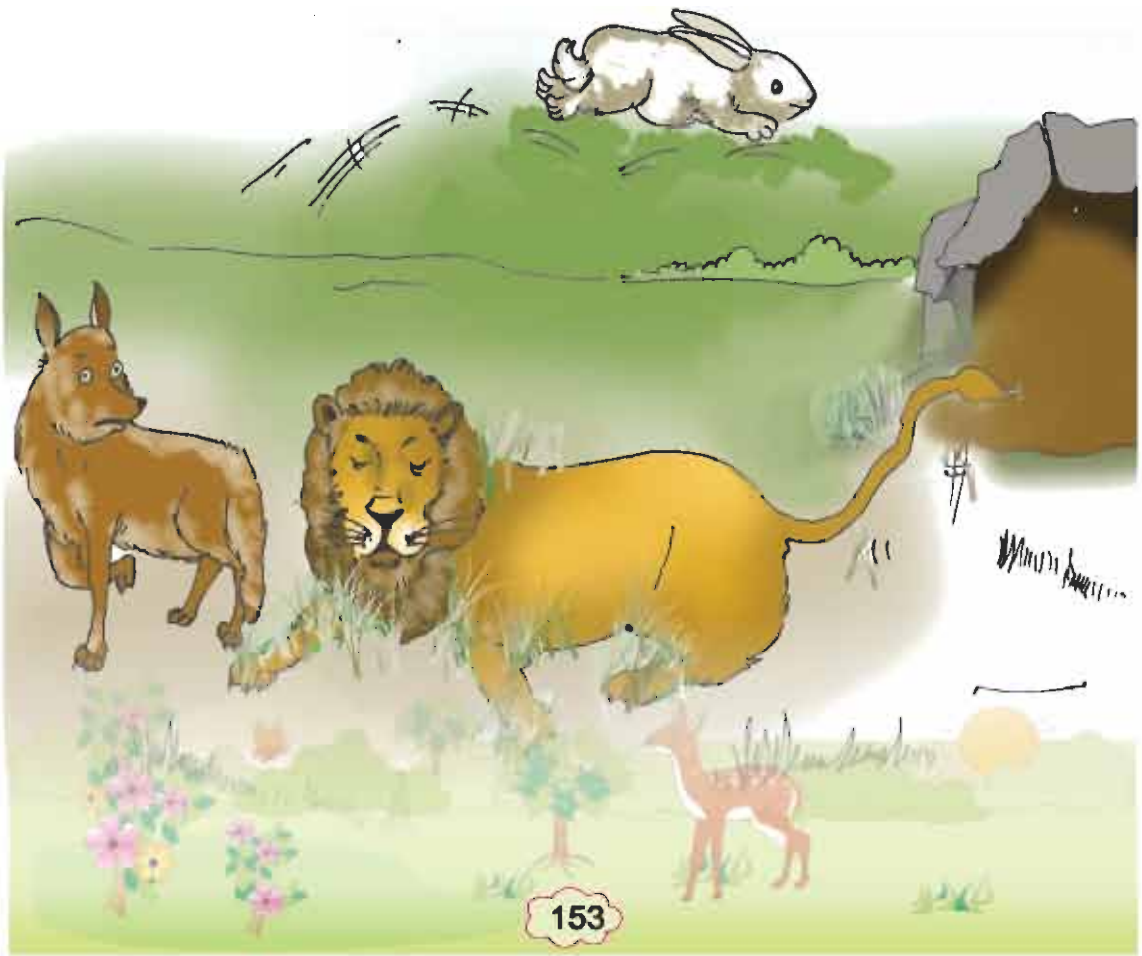

अभ्यास

प्रश्न (1) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दो

(1) शेर की मित्रता किससे थी?

.....

(2) खरगोश को आता देखकर लोमड़ी ने शेर साहब से क्या कहा?

.....

(3) शेर के शरीर का कौन सा भाग बाहर दिख रहा था?

.....

(4) शेर की पूँछ हिलने पर खरगोश ने क्या किया?

.....

प्रश्न (2) किसने किससे कहा?

(1) झट मरने का बहाना कीजिए

.....

(2) अरे मौसी मरने के बाद तो शेर की पूँछ हिलती है।

प्रश्न (3) दिए गए शब्दों से खाली स्थान भरो।

(लोमड़ी पूँछ, बूढ़ा)

(1) शेर ..... हो चला था।

(2) अब शेर की ..... बाहर दिख रही थी।

(3) शेर की दोस्ती ..... से थी।

प्रश्न- कॉलम (अ) के आधार पर (आ) में वाक्य बनाओ-

अ	आ
(1) मैं खाऊँगा।	मैं खाऊँगी

पहेली में छिपे हुए जानवरों के नाम ढूंढो और लिखो।

हि	झू	ख	ब	गा	य
शे	र	ज	र	ठ	च
उ	स	न	री	गो	न
ऊ	कु	घ	क	ध	श
ब	फ	त्ता	छ	ग	ह
गि	ल	ह	री	झ	धा

हिरण

.....

.....

.....

.....

.....